अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–जीव-अजीव–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

जीव : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) जीव का अर्थ क्या है?

(ख) जीव को सत्त्व क्यों कहा गया है?

(ग) भाव किसे कहते हैं?

(घ) रंगण से क्या तात्पर्य है?

(ङ) जीव को हिंडुक क्यों कहा गया?

अजीव : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(च) द्रव्य किसे कहते हैं?

(छ) काल का माप किस आधार पर किया गया है?

(ज) प्रकाश क्या है? उसका रूप और स्पर्श कैसा है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) जीव के अन्तिम छह नाम व्याख्या सहित लिखें

अथवा

नव पदार्थों में कितने जीव और कितने अजीव? न्यायपूर्वक समझायें।

(ख) शरीर के भेदों का विवेचन करें।

अथवा

धर्म, अधर्म, आकाश व पुद्गल अस्तिकाय क्यों है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) द्रव्य जीव के स्वरूप का विस्तृत वर्णन करें।

अथवा

समकित का अर्थ बताते हुए लिखें कि स्वामीजी ने नव पदार्थ किसे कहा है व उनका ज्ञान क्यों करना चाहिए?

(ख) पुद्गल की शाश्वतता और अशाश्वतता को सिद्ध करें।

अथवा

द्रव्य और भाव पुद्गल किसे कहते हैं व इनमें परस्पर क्या अन्तर है?

अवबोध (जीव से संवर)–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 7

(क) नौ तत्त्वों में कितने तत्त्व अजीव हैं?

(ख) क्या धर्म और पुण्य एक हैं?

(ग) घाति कर्म पाप की प्रकृति है या पुण्य की?

(घ) प्रमाद आश्रव कितने गुणस्थान तक है?

(ङ) अयोग संवर कौन से गुणस्थान से प्रारम्भ होता है?

(च) योग की उत्पत्ति का तात्त्विक आधार क्या है?

(छ) जीव सर्वप्रथम कौन सा आहार ग्रहण करता है?

(ज) कर्म और कर्मों का कर्ता एक है या दो?

(झ) अचित महास्कन्ध चतुःस्पर्शी होता है अष्टस्पर्शी?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) तिर्यंचों के सम्यक्त्व प्राप्ति में कौन-कौन से निमित्त हो सकते हैं?

(ख) पुण्य बंध की इच्छा करनी चाहिए या नहीं? क्यों?

(ग) आत्मा आठ ही क्यों?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) योग आश्रव के कितने प्रकार हैं?

(ख) मिथ्यात्व के पांच प्रकार व्याख्या सहित लिखें।

(ग) क्या पुद्गल के भी संस्थान होते हैं? कौन-कौन से?

(घ) जीव के सर्वाधिक भेद कितने आये हैं?

अमृत कलश भाग-3 (छठा सातवां चषक)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) धनघाती से क्या तात्पर्य है?

(ख) उपाध्याय किस रंग के प्रतीक हैं?

(ग) मंगल शब्द से क्या तात्पर्य है?

(घ) श्रावक की सामायिक कितने करण-योग से की जाती है?

(ङ) सम्यक्त्व की प्राप्ति के हेतु क्या हैं?

(च) अव्यवहार राशि में किस काय के जीव आते हैं?

(छ) क्या अभवी साधु बन सकता है?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दें– 10

(क) मिथ्यात्वी व सम्यक्त्वी की तपस्या में क्या अन्तर है?

(ख) सम्यक्त्व विनाश के हेतु क्या है?

(ग) प्रतिक्रमण से क्या लाभ होता है?

(घ) श्रावक जन्म से होता है या कर्म से?

(ङ) सिद्ध की उपासना कैसे हो सकती है?

(च) वीतराग की शरण लेने का क्या तात्पर्य है?

(छ) सामायिक का कालमान एक मुहूर्त का ही क्यों?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 15

(क) बिना त्याग किए ही हिंसा आदि से बचा जा सकता है। व्रत स्वीकार करना क्यों जरूरी है?

(ख) सम्यक्त्व के आचार कितने हैं तथा कौन से हैं?

(ग) ठाणं में श्रमणोपासक के तीन मनोरथ बताए गए हैं, वे कौन से हैं और उनका क्या प्रयोजन है?

(घ) गृहस्थ जीवन में रहता हुआ श्रावक हिंसा से विरत कैसे हो सकता है?

(ङ) अठारह पापों से बचने के लिए सामायिक में क्या करना चाहिए?